मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 55 अंक 7 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जुलाई 2019 बहाई वर्ष : 176

विश्व न्याय मन्दिर

...हमें अपनी शक्तियाँ बच्चों की कक्षाओं एवं किशोर समूहों के विस्तार की दिशा में लगाने की आवश्यकता है..... इस उद्देश्य के लिए पूरक विषयों की वृद्धि स्वाभाविक रूप से होने दी जाए जो गांवों और पड़ोस में समुदाय के निर्माण की क्रमशः गतिशील होती जा रही प्रक्रिया का एक प्रतिफल होगा।

—12 दिसम्बर 2011

बिहार में संस्थागत परामर्शी बैठक सम्पन्न

बिहार में, सलाहकार, श्री दृगपाल सिंह की विशेष उपस्थिति में एक संस्थागत परामर्शी बैठक का आयोजन 9 जून, 2019 को बहाई भवन पटना में किया गया, जिसमें राज्य बहाई परिषद एवं राज्य बहाई प्रशिक्षण संस्थान मंडल, बिहार के सदस्यगण; सहायक मंडल सदस्यगण; सभी उपक्षेत्रीय संयोजक एवं विकास सहयोगी; सोल के कार्यक्रम संयोजक एवं लर्निंग साईट से संबद्ध मित्र शामिल थे। बैठक की शुरूआत् प्रार्थनाओं से की गई। इसी कड़ी में दिवंगत राहुल कुमार की आत्मा की निरंतर प्रगति हेतु भी प्रार्थनायें की गईं तथा संदर्भित घटनाक्रम की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में मित्रों को वाहन चलाते समय यातायात संबंधी नियमों का सर्वथा पालन करने की सलाह दी गई।

बैठक के दौरान 9 से 11 अप्रैल, 2019 को ख़गड़िया क्लस्टर के कोठियॅा समुदाय में आयोजित विशेष गृह–भ्रमण अभियान की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में मित्रों ने बताया कि उस अभियान में मुख्य रूप से रूही पुस्तक–4 का अध्ययन एवं गृह–भ्रमण किये गये। गृह–भ्रमण के लिए भदास, बछौता, मथुरापुर एवं टीकारामपुर समुदाय को चिह्नित किया गया था। गृह–भ्रमण के दौरान युवाओं पर काफी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। अस्तु, युवा एवं जन–प्रतिनिधि कार्यक्रम में काफी मदद कर रहे थे। गृह–भ्रमण के उपरांत प्रत्येक दिन समीक्षा की जाती थी ताकि यह पता चल सके कि किस समुदाय में कौन–सी गतिविधि स्थापित करने की जरूरत है। ज्ञातव्य हो कि कार्यक्रम के दौरान 185 नये घरों में प्रार्थना सभा की शुरूआत् की गई तथा 25 घोषणा–पत्र भी प्राप्त हुए। इतना ही नहीं 2 अध्ययनवृत कक्षा, 2 किशोर समूह कक्षा तथा 4 बहाई बाल कक्षा भी निकट भविष्य में प्रारंभ होने की संभावना दृष्टिगोचर हुई।

इस प्रकार, गृह–भ्रमण अभियान के परिणामस्वरूप समुदाय के नाभिक को सशक्त किया गया तथा 28 ग्रुप ऑफ़ फैमिली भी तैयार किये गये। इसके अतिरिक्त, दिव्यात्मा बाब के 200वें जन्मोत्सव में अधिकाधिक लोग शामिल हों इस विषय को लेकर भी चर्चा की गई तथा कुछ कोष भी एकत्र किया गया।

बैठक के दौरान मित्रों ने बताया कि बिहारशरीफ़, ख़गड़िया, अलौली एवं हथवन चार ऐसे क्लस्टर हैं जहाँ 500 से अधिक गतिविधि हैं साथ ही बड़ी संख्याओं को अपनाने हेतु विशेष गृह–भ्रमण अभियान आयोजित करने तथा 1000 से अधिक घरों में प्रार्थना सभा आयोजित करने की रणनीति बनाई गई। महाद्वीपीय सलाहकार के मार्गदर्शानुकूल सात–आठ क्लस्टरों में इस तरह के अभियान की योजना बनाई गई तथा समुदाय के स्तर पर कार्यदल गठित किये गये। इसी कड़ी में महाद्वीपीय सलाहकार ने कहा कि परिषद को भी चाहिए कि वे एक पम्पलेट तैयार करें जिसमें दिव्यात्मा बाब की जीवनी व प्रार्थना शामिल हो ताकि इसका उपयोग गृह–भ्रमण के दौरान किया जा सके। महाद्वीपीय सलाहकार ने क्लस्टरों को ऊर्जस्वित करने के साथ–साथ परिवारों के साथ प्रगाढ़ संबंध स्थापित करने की बात बतायी।

ज्ञातव्य हो कि सम्प्रति, बिहार में तृतीय मील के पत्थर वाले क्लस्टरों की संख्या 10 है तथा 10

शेष पृष्ठ 4 पर

इस अंक में

बदवार में स्थानीय सभाओं का दृढ़ीकरण

मध्य प्रदेश में बदवार क्षेत्र की सभी नवनिर्वाचित स्थानीय सभाओं के लिए परिषद के मार्गदर्शन अनुसार 5 जून 2019 को रीवा शहर में एक दिवसीय दृढ़ीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बदवार क्षेत्र में बनी कुल 6 स्थानीय सभाओं के 25 सदस्यों ने भाग लिया, इसमें तीन स्थानीय सभाओं से तीन महिलाएं पहली बार सभा की सदस्य के रूप में चुनी गईं, जिन्होंने कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत सभी 6 स्थानीय सभाओं द्वारा प्रार्थना से की गई, उसके बाद उपस्थित सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया, परिचय के दौरान मित्रों ने बताया कि वह उस क्षेत्र में पहली बार ऐसे कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं जिसमें सभी स्थानीय सभा के सदस्यगण हैं।

कार्यक्रम के पहले सत्र में सभी सभाओं की बहाई प्रशासनिक व्यवस्था, बहाई धर्म एवं उसके उद्देश्य, स्थानीय आध्यात्मिक सभा का महत्व आदि महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से परामर्श किया गया, जिन्हें समझने के लिये परिषद सचिव एवं भोपाल क्षेत्र के प्रतिनिधि द्वारा पूरी मदद की गयी।

उसके बाद परिषद द्वारा तैयार की गई स्थानीय सभाओं के दृढ़ीकरण कार्यक्रम की अध्ययन सामग्री, जिसमें विश्व न्याय मंदिर के प्रपत्र, स्थानीय सभा नामक पुस्तक एवं रूही पुस्तक–10 के कुछ महत्वपूर्ण गद्यांश शामिल किये गये थे, उसका अध्ययन किया।

अध्ययन के दौरान मित्रों ने अपने अनुभवों को एक–दूसरे के साथ साझा किया, प्रपत्रों से मित्रों को इतनी नई–नई अंतर्दृष्टियाँ प्राप्त हो रही थीं कि अपने अंदर उठ रहे प्रश्नों और उत्साह को वे रोक नहीं पा रहे थे सभी मित्र कार्यक्रम के दौरान बहुत चिंतन मनन करते हुये दिखाई दे रहे थे।

मित्रों ने अध्ययन के दौरान स्थानीय सभा की बैठक के आध्यात्मिक वातावरण पर विचार प्रस्तुत किये तो किसी मित्र ने सभा के सदस्यों की भूमिका के बारे में बतलाया, किसी ने बहाई चुनाव प्रक्रिया तो किसी ने प्रार्थना के आध्यात्मिक स्वरूप के बारे में। इसके बाद मित्रों के साथ बहाई गतिविधियों पर विस्तार से परामर्श किया गया, मित्रों ने यह भी महसूस किया कि उनको लगातार पवित्र पुस्तकों का अध्ययन करते रहना चाहिए ताकि वह समुदाय की सेवा बेहतर रूप से कर सकें और नया मार्गदर्शन उनको प्राप्त होता रहे। एक महिला सदस्य ने बताया कि उन्होंने अपने दो बच्चों का बहुत पहले बहाई विवाह किया था, जिसमें उन्होंने किसी भी प्रकार का कोई भी दहेज नहीं लिया था।

दोपहर के भोजन के उपरांत सभी स्थानीय सभाओं द्वारा उनकी व्यक्तिगत योजना जो कि सितम्बर तक बनाई गई, उसमें–सभा की बैठक नियमित करना, सभा के दृढ़ीकरण की योजना बनाना, महात्मा बाब के 200वें जन्म दिवस की तैयारी करना एवं सभा के

शेष पृष्ठ 3 पर



बदवार में आयोजित दृढ़ीकरण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

बाब का उद्घोषणा दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

• चंडीगढ़ के हजीरातुल–कुद्स के नवनिर्मित प्रथम तल का उद्घाटन 22 मई, 2019 को किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यापक समाज में प्रभुधर्म की घोषणा करना था, हालाँकि कार्यक्रम बाब के जीवन और उनके उद्देश्य के इर्द–गिर्द केन्द्रित रहा। इस कार्यक्रम में व्यापक समाज से लगभग 40 से 50 प्रतिभागी थे। उनके अलावा, लगभग सौ बहाई लोगों के उदाहरण दिए गये जो बाब के अनुयायी नहीं थे लेकिन बाब के स्थान को समझने में कभी असफल नहीं हुए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान गीत और नृत्य भी प्रस्तुत किये गये।

• भोपाल के बहाई समुदाय द्वारा 23 मई की शाम को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ बाब का घोषणा दिवस बहाई भवन में मनाया गया।



चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चे प्रार्थना करते हुए

मित्रों ने भी भाग लिया, जिनमें अन्य राज्यों से आये मित्रगण भी शामिल थे।

इस कार्यक्रम में इस दिन की महानता के बारे में जानकारी दी गई। इस दिन की महानता से संबंधित पवित्र लेखों से कुछ उदाहरणों को देते हुए बताया गया कि बाब के प्रकट होने की घोषणा के बाद महत्वपूर्ण और अद्भुत इस अवसर पर अपने वक्तव्य में सहायक मण्डल सदस्य द्वारा बाब की महान घोषणा के विषय में बहुत ही सुंदर तरीके से मित्रों को बताया। इसी विषय को लेते हुए एक प्रश्नोत्तरी के माध्यम से उपस्थित मित्रों का न केवल मनोरंजन करवाया बल्कि कई जानकारियों से भी मित्रगण परिचित हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में



भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल मित्रगण

बदलाव देखे गये हैं। पूरी दुनिया में इस साल बाब के द्विशताब्दी उत्सव का इंतजार किया जा रहा है। साथ ही, यह बताया कि कैसे मानवता के इतिहास में बाब की घोषणा एक बहुत महत्वपूर्ण घटना है।

इसके अलावा, मित्रों को यह भी जानकारी दी गई कि हम ईश्वर के प्रकटीकरण के रहस्योद्घाटन की सच्चाई का मूल्यांकन कैसे कर सकते हैं। बाब के समय के कुछ आकर्षक प्रस्तुतियों को पेश किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सामुदायिक विद्यालय के शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए उद्धरणों को बारी–बारी से सुनाया। लगभग 45–50 मित्रों की उपस्थिति में बाब के 200वें जन्मोत्सव पर चर्चा की व तैयारी पर भी प्रकाश डाला गया।

• स्थानीय आध्यात्मिक सभा, पटना द्वारा बहाई भवन में 24 मई

शेष पृष्ठ 4 पर

गुजरात में स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के लिए कार्यक्रम का आयोजन

राज्य बहाई परिषद गुजरात ने स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सदस्यों के लिए अहवा बहाई भवन में 8 जून 2019 को एक कार्यक्रम आयोजित किया। राज्य की विभिन्न स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के लगभग चालीस सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सदस्यों को स्थानीय आध्यात्मिक सभा के स्वरूप एवं महत्व और समुदाय निर्माण की प्रक्रिया में इसके बुनियादी कार्य और भूमिका पर चर्चा करना था।

इस कार्यक्रम ने मित्रों को बहाई प्रशासन की प्रकृति और उद्देश्य को प्रतिबिंबित करने में मदद की और विशेष रूप से स्थानीय आध्यात्मिक सभा की प्रकृति और बुनियादी कार्यों जैसे–नियमित बैठकें आयोजित करना, उन्नीस ने मित्रों को कुछ ऐसे बिंदुओं को समझने में मदद की जिनके माध्यम से वे बैठकों को नियमित और प्रभावी बना सकें।

उन्नीस दिवस सहभोज और पवित्र दिवस समारोह पर सत्र ने मित्रों को इस बारे में चर्चा करने का अवसर दिया कि कैसे सभा समुदाय में रहने वाले सभी अनुयायियों को आमंत्रित कर सकती है और उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर सकती है।

स्थानीय कोष की स्थापना के बारे में चर्चा करते हुए दोस्तों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि स्थानीय कोष के लिए नियमित योगदान के लिए अनुयायियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। कुछ स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं ने अपने अनुभवों को साझा



गुजरात में स्थानीय सभा के लिए आयोजित बैठक के प्रतिभागी

दिवसीय सभा और पवित्र दिवस समारोह आयोजित करना, स्थानीय बहाई कोष स्थापित करना और सामुदायिक निर्माण प्रक्रिया में इसकी भूमिका के बारे में समझा।

'स्थानीय आध्यात्मिक सभा की बैठकें और वार्षिक कैलेंडर' के सत्र किया कि कैसे वे अनुयायियों को नियमित रूप से अपने योगदान की पेशकश करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। स्थानीय सभाओं को भी राष्ट्रीय और अन्य बहाई कोष में अपना योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।



सिक्किम सरकार ने सिक्किम के सभी स्कूलों के लिए राज्य हरित स्कूल पुरस्कार की शुरूआत की है। इस वर्ष सरमसा बहाई स्कूल को निजी स्कूल की श्रेणी में चुना गया और विश्व पर्यावरण दिवस पर उसे प्रमाणपत्र के साथ पचास हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस स्कूल का चयन विभिन्न गतिविधियों के आधार पर किया गया था। स्वच्छ भारत अभियान, स्कूल परिसर की सफाई, पौधा रोपण, कचरे के पृथक्करण के लिए उचित रखरखाव, सीएफएल बल्बों का उपयोग, छात्रों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बनाए रखना, स्वच्छ पेयजल सुविधा, वर्षा जल संचयन और विद्यालय में उपलब्ध वनस्पतियों और जीवों की विविधता पर ध्यान दिया गया।

सामुदायिक विद्यालयों के शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

सोसाइटी ऑफ यूनिवर्सल लर्नर द्वारा मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में चल रहे सामुदायिक विद्यालयों के शिक्षकों का एक माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम बहाई भवन भोपाल में 15 मई से 14 जून तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में दोनों प्रदेशों से 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया, शिक्षकों ने रुही पुस्तक एक का पूर्ण अध्ययन व योगदान देने लायक बनाएं, शिक्षा को बहुद्देश्यीय बनाने के लिये गृह भ्रमण की उपयोगिता व निरन्तर परामर्श, रुही गणित के अंतर्गत समुच्चय और संख्याओं के बारे में सीखते हए यह आध्यात्मिक अवधारणा सिखा पाना की वे सम्पूर्ण मानवजाति के समुच्चय के एक अवयव हैं, रुही साइंस में ईश्वर के विभिन्न साम्राज्य की पहचान व



शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

तीन के कुछ प्रमुख भाग के अतिरिक्त, शिक्षक प्रशिक्षण नियम, यलो बुक, रुही विज्ञान व रुही गणित का गहन अध्ययन कर अंत में किशोरों के लिए बनी पुस्तक 'सीधी राह पर चलना' का भी अध्ययन किया।

प्रतिभागी शिक्षकों ने सकारात्मक शिक्षा की अवधारणा, बच्चों के लिए मानवीय शिक्षा, भौतिक शिक्षा, नैतिक शिक्षा की आवश्यकता, बच्चे अमूल्य रत्नों से भरी खान के समान हैं कैसे उनके गुणों को उजागर कर संसार की बेहतरी में अपने रचयिता के बारे में जानना, समुच्चय की मूल अवधारणा के तहत चारो जगत – खनिज जगत, वनस्पति जगत, पशु जगत व मानव जगत आदि के बारे में सीख प्राप्त की, साथ ही कई तरह के कला व शिल्पकला भी सीखा।

प्रशिक्षण के समापन से पूर्व एक दिन शैक्षणिक भ्रमण में प्रतिभागियों ने भोपाल स्थित क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, जनजातीय संग्रहालय, शौर्य स्मारक आदि को देख कर अपनी समझ को बढ़ाया।

बदवार में स्थानीय सभाओं का दृढ़ीकरण

पृष्ठ 1 का शेष

सदस्यों के घरों में प्रार्थना सभाओं का संचालन करना एवं उन्नीस दिवसीय सहभोज को नियमित रूप से मनाना शामिल था।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी 6 सभाओं द्वारा उपरोक्त बिन्दुओं के आधार पर अलग–अलग समूह में बैठकर जून से सितम्बर 2019 तक की एक वास्तविक योजना बनाई जिसके पूर्ण होने के बाद सभा के सचिवों द्वारा उस योजना को सभी ने मित्रों के साथ बारी–बारी से साझा किया।

योजना को सांझा करने के उपरान्त सभी के साथ बहाई नियम एवं विधानों पर विस्तार से परामर्श किया गया, जिसमें सबसे अधिक बल अनिवार्य प्रार्थना के पाठ करने पर दिया।

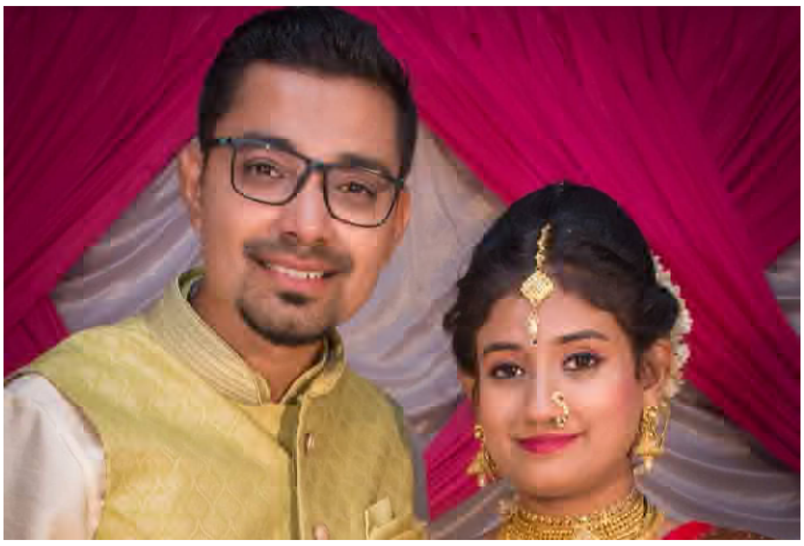
कार्यक्रम के अंतिम सत्र में बहाई कोष पर प्रकाश डाला गया, जिसमें मित्रों को बहाई कोष की महत्वता और उनको ईश्वर द्वारा प्राप्त दान देने के महान सौभाग्य पर परामर्श किया। परिषद सचिव द्वारा दान की वास्तविक और प्रभावपूर्ण कहानियों को सभी के साथ साझा किया गया, कहानियाँ इतनी प्रभावशाली थीं कि सभी मित्रों के हृदयों को छू गयीं। उसके बाद कार्यक्रम के दौरान हुए कुल खर्च के बारे में मित्रों को बताया गया और कार्यक्रम को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान एवं प्रयास किया गया। मित्रों द्वारा उसी समय 6000 हजार रूपये दान राशि एकत्रित की गयी जो कुल खर्चे की 41 प्रतिशत थी। उसके तुरंत बाद सभी मित्रों को नियमित दान देने हेतु प्रतिज्ञा–पत्र वितरित किये गये, इनमें से 13 मित्रों ने अपनी स्वेच्छा के साथ दान में नियमित योगदान देने का वचन दिया।

कार्यक्रम के अंत में परिषद द्वारा तैयार किया गया बहाई पवित्र पुस्तकों का एक–एक सेट सभी स्थानीय सभाओं को भेंट स्वरूप दिया गया और सभाओं द्वारा तैयार की गयी योजनाओं की सफलता हेतु सभी ने मिलकर समूह में प्रार्थनाएं कर कार्यक्रम का समापन किया।

बहाई विवाह



उत्तर प्रदेश के बंथरा क्लस्टर में श्री सतीश कुमार वर्मा और सुश्री सुषमा का विवाह बहाई विधिविधान के अनुसार 30 मई, 2019 को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कई बहाई मित्रों के अलावा दोनों पक्षों के परिजन व रिश्तेदार भी उपस्थित थे।



महाराष्ट्र के सांगली में श्री आशीष अनिल माने और सुश्री मे मनोहर पाटिल का विवाह 1 मई, 2019 को स्थानीय आध्यात्मिक सभा सांगली के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



श्री जाफर और सुश्री खुशनुमा का विवाह 30 अप्रैल, 2019 को उत्तर प्रदेश में स्थानीय आध्यात्मिक सभा रामपुर के तत्वावधान में विवाह बहाई विधि–विधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 — Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
New Delhi P.S.O. — Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

मणिपुर में एक दिवसीय संस्थान सम्मेलन

क्षेत्रीय बहाई परिषद मणिपुर एवं मिजोरम द्वारा 26 मई, 2019 को इस क्षेत्र में सेवारत चार सहायक मण्डल सदस्यों की मौजूदगी में एक दिवसीय संस्थान अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें 33 मित्र शामिल थे, इनमें 7 स्थानीय सभाओं के 23 सदस्य तथा पायनियर और क्लस्टर विकास समिति के सदस्य भी थे।

परिषद के अध्यक्ष द्वारा स्वागत और मुख्य वक्तव्य दिया गया। सहायक मण्डल सदस्यों के मार्गदर्शन में रिज़वान संदेश का अध्ययन किया गया।

इस अभियान के दौरान, अपने क्षेत्रों की आवश्यकताएं क्या हैं, हम अपने नाभिक का विस्तार कैसे करते हैं, नवनिर्वाचित सभाएं किस प्रकार आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त करेंगी और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इन कुछ महीनों के दौरान हमारी जिम्मेदारियाँ क्या हैं– चर्चा के मुख्य विषय थे। यह साझा करने में भी प्रसन्नता हो रही है कि कुछ सभाओं ने अब्दुल–बहा की समाधि के लिए एक निश्चित धनराशि कोष में देने का संकल्प लिया।



मणिपुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

दोपहर के भोजन सत्र के बाद 23 मई 1844 के दिन के प्रारब्ध को साझा किया गया। शहीदों की कहानियों को पढ़ने का अवसर मिला जैसे–अनीस, सुलेमान खान, बाब आदि, जो प्रतिभागियों को नई अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और स्थानीय लोगों के साथ इन कहानियों को साझा करने में सक्षम बनाने में मदद करती हैं।

● निधन

श्री शेखर पटेल



हमें यह बताते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि जमशेदपुर क्लस्टर की संस्थान संयोजक श्रीमती संजना पटेल के पति श्री शेखर पटेल का निधन हृदयाघात के कारण 23 जून 2019 को हो गया। उन्होंने अनेक प्रकार से बहाउल्लाह की शिक्षा को जमशेदपुर के कोने–कोने तक पहुँचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिये। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

बाब का उद्घोषणा दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

पृष्ठ 2 का शेष

2019 को दिव्यात्मा बाब के 175वें उद्घोषणा दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुमधुर प्रार्थना एवं पवित्र लेखों के सस्वर पाठ से किया गया। तदनोपरांत बाब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विशेषीकृत रूप से प्रकाश डालते हुए बताया कि बहाई धर्म के अग्रदूत बाब ने ईश्वरावतार बहाउल्लाह के लिए मार्ग प्रशस्त किया। अतएव, हमें बाब की जीवनी और शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर एक दिव्य सभ्यता के नवनिर्माण एवं सामाजिक रूपांतरण हेतु नित नये प्रयास करते रहना चाहिए।

इसके अतिरिक्त, बिहार के विभिन्न उन्नत समुदाय–समूह में भी दिव्यात्मा बाब के उद्घोषणा दिवस का आयोजन किया गया।

• उत्तर प्रदेश में करौनी स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने भी 23 मई, 2019 को बाब की उदघोषणा दिवस का आयोजन किया, जिसमें लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रार्थनायें, उद्धरण और बाब के जीवन के बारे में कहानियाँ पढ़ी गईं।



करौनी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भाग लेने वाले मित्रगण

बिहार में संस्थागत परामर्शी बैठक सम्पन्न

पृष्ठ 1 का शेष

ऐसे क्लस्टर हैं जहाँ 100 से अधिक गतिविधि संचालित की जा रही हैं। मित्रों की योजना है कि वर्तमान चक्र में 8 नये क्लस्टरों को द्वितीय मील के पत्थर तक ले जाया जायेगा। इसके अतिरिक्त, शाहपुर पटोरी, ज़हानाबाद, राजगीर, शेखपुरा, मुंगेर एवं बेगूसराय छः ऐसे क्लस्टर हैं जो दिव्यात्मा बाब की 200वीं जयंती तक तृतीय मील के पत्थर को पार कर जायेगा। इसी प्रकार, मित्रों की योजना है कि जुलाई, 2019 तक दरभंगा, मंझौल, चौथम एवं मुजफ्फरपुर द्वितीय मील के पत्थर को पार कर जायेगा तथा आगामी चक्र में पुनपुन क्लस्टर का पड़ोसी समुदाय–समूह धनरूआ एवं मसौढ़ी; ख़गड़िया क्लस्टर का पड़ोसी समुदाय–समूह नवगछिया एवं परवत्ता; बिहारशरीफ़ क्लस्टर का पड़ोसी समुदाय–समूह नालन्दा एवं अस्थावॉ तथा अलौली क्लस्टर का पड़ोसी समुदाय–समूह सहरसा द्वितीय मील के पत्थर को पार कर जायेगा।

बैठक के दौरान मित्रों ने मंझौल, दरभंगा, चौथम एवं मुजफ्फरपुर क्लस्टर की अद्यतन स्थिति का भी अवलोकन किया तथा उसके लिए योजनाएँ विनिर्मित की। इसके अतिरिक्त, आगामी चक्र हेतु नौ क्लस्टरों के लिए योजनाएँ विनिर्मित की गईं।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.7. 2019
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)